

196. _____, मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी।

- (a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) नालंदा (d) तक्षशिला

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-I)

Ans : (b) मौर्य साम्राज्य की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने 323 ई.पू. में की। उन्होंने नंद वंश के शासक धनानंद को पराजित कर मौर्य साम्राज्य की स्थापित किया था। मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी।

197. कौटिल्य का अर्थशास्त्र हमें _____ प्रशासन के बारे में जानकारी देता है।

- (a) गुप्त (b) मौर्य
(c) प्रतिहार (d) राष्ट्रकूट

RRB Group-D 28-09-2018 (Shift-II)

Ans. (b) कौटिल्य या चाणक्य या विष्णुगुप्त, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य (323-298 ई.पू.) के प्रधानमंत्री थे। अर्थशास्त्र कौटिल्य द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रन्थ है। उन्होंने चंद्रगुप्त के प्रशासकीय उपयोग तथा मौर्य काल के इतिहास को जानने के लिए इस ग्रन्थ की रचना की थी। इसमें राज्यव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है।

198. चाणक्य का एक अन्य नाम क्या था?

- (a) देववर्मन (b) विष्णुगुप्त
(c) राम गुप्त (d) बृजेश्वर

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. मेगस्थनीज भारत आने वाले सबसे शुरुआती खोजकर्ताओं में से एक था। उसका संबंध किस देश से था?

- (a) यूनान (b) स्पेन
(c) मिस्र (d) इटली

RRB ALP & Tec. (21-08-18 Shift-II)

Ans : (a) यूनानी राजदूत मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी सम्राट सेल्यूकस के राजदूत के रूप में भारत आया।

200. सम्राट अशोक ने अपने राज्यकाल के 12 वर्ष में, एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की, जो भूमि का सर्वेक्षण करता था तथा भू-अभिलेखों का रखरखाव करता था और न्याय का पालन करता था। इन अधिकारियों को कहा जाता था।

- (a) अमात्य (b) समाहर्ता
(c) रज्जुक (d) चालुक्य

RRB J.E. -2014

Ans. (c) : सम्राट अशोक ने अपने राज्यकाल के 12वें वर्ष में एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की, जो भूमि का सर्वेक्षण करता था तथा भू-अभिलेखों का रखरखाव करता था और न्याय का पालन करता था। इन अधिकारियों को रज्जुक कहा जाता था।

201. किस राजा की कहानी, मुद्राराक्षस (Mudrarakshasa) नाटक का विषय है?

- (a) जयचन्द्र (b) चन्द्रगुप्त II
(c) चन्द्रपीड (d) चन्द्रगुप्त मौर्य

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने की थी। इस ग्रन्थ से मौर्य इतिहास, मुख्यतः चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है। इसमें चन्द्रगुप्त मौर्य को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' कहा गया है।

202. मौर्य वंश को किस वंश ने समाप्त किया?

- (a) शुंग (b) गुप्त
(c) शिशुनाग (d) चोल

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 185 ई.पू. में कर दी और मगध पर शुंग वंश की स्थापना की। इस वंश का शासन उत्तर भारत में 187 ई. पू. से 75 ई.पू. तक यानि 112 वर्ष तक रहा था। पुष्यमित्र शुंग इस राजवंश का प्रथम शासक था।

203. मौर्य वंश का अंतिम सम्राट कौन था?

- (a) चंद्रगुप्त (b) अशोक
(c) बृहद्रथ (d) शतधन्वन

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period)

204. किस मूल भारतीय राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किए थे ?

- (a) पेशवा वंश (b) राष्ट्रकूट वंश
(c) सातवाहन वंश (d) पांड्य वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : सातवाहन राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किये। सातवाहन शासकों द्वारा सर्वप्रथम सीसे के सिक्के जारी किये गये। इसके अतिरिक्त उन्होंने चाँदी, ताँबा, काँसा पोटीन आदि के सिक्के भी चलाए। सातवाहन वंश की स्थापना सिमुक ने की थी। सातवाहन शासकों ने अपनी राजधानी 'प्रतिष्ठान' में स्थापित की।

205. दिए गए विकल्पों में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) बौद्ध धर्मग्रंथ पाली भाषा में लिखे गये थे।
(b) गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल में स्थित है।
(c) उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया।
(d) चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक थे।

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : जीवक बुद्ध के निजी चिकित्सक थे। चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक नहीं थे, बल्कि कुषाण शासक कनिष्क के राजवैद्य थे। इनके द्वारा रचित 'चरक संहिता' एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रंथ है। जबकि बौद्ध धर्मग्रंथ पालि भाषा में लिखे गये थे। गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल (लुम्बिनी) में स्थित है और उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया, ये सभी कथन सत्य हैं।

206. कनिष्क किस वंश से संबंधित थे?

- (a) चोल (b) पल्लव
(c) कुषाण (d) मौर्य

RRB JE - 23/05/2019 (Shift-III)

Ans : (c) कनिष्क कुषाण वंश का सबसे प्रतापी शासक था। इसने 78ई. में अपना राज्यारोहण किया तथा इस उपलक्ष्य में एक संवत चलाया, जो शक-संवत कहलाता है तथा जिसे भारत सरकार द्वारा ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ 22 मार्च, 1957 से 'भारत के राष्ट्रीय

कैलेंडर के रूप में प्रयोग में लाया जाता है। 78 ई. को शक युग का आरम्भ भी माना जाता है। इसके शासन काल में चौथी बौद्ध संगीति, कुण्डलवन (कश्मीर) में बौद्ध विद्वान वसुमित्र की अध्यक्षता में हुई। जिसमें बौद्ध धर्म का विभाजन हीनयान तथा महायान में हो गया। कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था। कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था।

207. कनिष्क वंश का सम्राट था।

- (a) गुप्त (b) कुषाण
(c) चेर (d) चोल

RRB JE - 30/05/2019 (Shift-III)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

208. शक युग (Saka era) आरंभ हुआ था :

- (a) 58 ई.पूर्व में (b) 78 ई.पूर्व में
(c) सन् 58 ईस्वी में (d) सन् 78 ईस्वी में

RRB J.E. -2014

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. कुषाण राजाओं में सबसे मशहूर.....थे, जो कुषाण राजवंश में तीसरे शासक थे।

- (a) कृतवर्मा (b) कृष्णदेवराय
(c) कौटिल्य (d) कनिष्क

RRB Group-D 05-12-2018 (Shift-II)

Ans. (d) कुषाण शासकों में सबसे प्रसिद्ध कनिष्क (78 ई.-101 या 102 ई.) थे, जो कुषाण राजवंश के तीसरे शासक थे। इसकी राजधानी पुरुषपुर (पेशावर) थी। कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था। कनिष्क भारतीय इतिहास में अपनी विजय, धार्मिक प्रवृत्ति, साहित्य, कला प्रेमी होने के नाते विशेष स्थान रखता है।

210. ईसा पूर्व _____ शताब्दी की शुरुआत में, कुषाणों ने भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर अपना अधिकार स्थापित किया।

- (a) तीसरी (b) चौथी
(c) पहली (d) दूसरी

RRB Group-D 05-12-2018 (Shift-I)

Ans : (c) ईसा पूर्व पहली शताब्दी के आरम्भ (15 ई.) में कुषाणों ने भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर अपना अधिकार स्थापित किया था। कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था जो चीनी समुदाय से सम्बन्धित था। इस वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक कनिष्क था जो 78 ई. में राजा बना। कनिष्क बौद्ध धर्म का अनुयायी था। उसके शासन काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुण्डलवन (कश्मीर) में किया गया था।

211. ओडिशा के उदयगिरी से हाथीगुम्फा शिलालेख कलिंग के राजा _____ ने लिखा था।

- (a) खारवेल (b) महेंद्र
(c) बिम्बिसार (d) अशोक

RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-II)

Ans. (a) : ओडिशा में उदयगिरी नामक पहाड़ी की गुफा में एक शिलालेख प्राप्त हुआ जो हाथीगुम्फा शिलालेख के नाम से प्रसिद्ध है। इसे तिथिरहित अभिलेख भी कहते हैं। इसे कलिंग के राजा खारवेल ने उत्कीर्ण कराया था। यह लेख प्राकृत भाषा में है और प्राचीन भारतीय इतिहास में इसका बहुत अधिक महत्व है।

10. गुप्त एवं गुप्तोत्तर साम्राज्य (Gupta and Post-Gupta Empire)

212. प्रयाग प्रशस्ति (जिसे इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है) हमें _____ की उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

- (a) श्रीगुप्त (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त-प्रथम (d) समुद्रगुप्त

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : प्रयाग प्रशस्ति से हमें गुप्त शासक समुद्रगुप्त के बारे में जानकारी मिलती है। यह समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित है, इसमें उन राज्यों का वर्णन है, जिन पर समुद्रगुप्त ने विजय प्राप्त की थी। इसे इलाहाबाद स्तम्भ लेख के रूप में भी जाना जाता है। इस प्रशस्ति को मूल रूप से कौशाम्बी में अशोक के स्तम्भ पर उकेरा गया था। अकबर के समय जहाँगीर इसे इलाहाबाद में स्थापित करवाया था। इस प्रशस्ति की भाषा संस्कृत तथा शैली चम्पू है। इसमें कुल 33 पंक्तियाँ हैं।

213. हर्षवर्धन, निम्नलिखित में से किस वंश से संबंधित था?

- (a) पुष्यभूति वंश (b) चालुक्य वंश
(c) मौर्य वंश (d) गुप्त वंश

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : सम्राट हर्षवर्धन (606-647ई.) उत्तर भारत में सातवीं शताब्दी के शक्तिशाली राज्य थानेश्वर के पुष्यभूति वंशी शासक प्रभाकरवर्धन का पुत्र था। इसने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाई तथा सम्राट हर्ष ने 'रत्नावली', 'प्रियदर्शिका' और 'नागानंद' नामक नाटकों की रचना की।

214. रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलकेशिन द्वितीय की --- पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है।

- (a) कीर्तिवर्मन् प्रथम (b) खारवेल
(c) समुद्रगुप्त (d) हर्ष

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : ऐहोल शिलालेख रविकीर्ति द्वारा लिखा गया था जो पुलकेशिन द्वितीय के शासनकाल में एक जैन कवि था। रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलकेशिन द्वितीय की हर्ष पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है। ऐहोल शिलालेख कर्नाटक में स्थित है।

215. निम्न में से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था ?

- (a) जुआन जांग (ह्वेन सांग)
(b) फ़ाहियान
(c) इब्न बतूता (अबू अब्दुल्ला मुहम्मद इब्न बतूता)
(d) मार्को पोलो

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :	
शासकों का शासनकाल	- राजदूत (विदेशी यात्री)
हर्षवर्धन	- ह्वेनसांग
चन्द्रगुप्त द्वितीय	- फ़ाहियान
मो. बिन तुगलक	- इब्नबतूता
महमूद गजनवी	- अलबरूनी
मारवर्मन कुलशेखर	- मार्कोपोलो

216. उस महान व्यक्ति का नाम बताएं, जिसने भारत में बीजगणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया?

- (a) चरक (b) ब्रह्मगुप्त
(c) वराहमिहिर (d) आर्यभट्ट

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्ट प्राचीन भारत के एक महान ज्योतिषविद् और गणितज्ञ थे। जिन्होंने बीजगणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। आर्यभट्ट का जन्म पटना के कुसुमपुर में हुआ था।

[व्यक्ति] [कार्य क्षेत्र]

- (1) चरक → महर्षि और आयुर्वेद विशारद
(2) ब्रह्मगुप्त → भारतीय गणितज्ञ
(3) वराहमिहिर → भारतीय गणितज्ञ

217. इनमें से कौन राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे ?

- (a) आनंद भट्ट (b) वल्लाल
(c) जयचंद्र (d) बाणभट्ट

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बाणभट्ट राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। बाणभट्ट ने 'हर्षचरित' नामक पुस्तक की रचना की, जिसमें हर्षवर्धन के शासनकाल की जानकारी मिलती है। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत आया था। हर्षवर्धन स्वयं साहित्यकार था। प्रियदर्शिका, रत्नावली, नागानन्द की रचना हर्षवर्धन ने की थी।

218. चीनी यात्री ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) किसके शासनकाल में भारत आया था।

- (a) कीर्तिवर्मन (b) पुलकेशिन द्वितीय
(c) हर्षवर्धन (d) विक्रमादित्य

RRB J.E. -2014

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : ह्वेनसांग, हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। ह्वेनसांग 629 ई. में चीन से भारत के लिए प्रस्थान किया। भारत से वह 645 ई. में चीन लौट गया। वह नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने तथा भारत से बौद्ध ग्रन्थों के संग्रह के लिए आया था। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सी-यू-की' नाम से प्रसिद्ध है। ध्यातव्य है कि ह्वेनसांग के अध्ययन के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे।

219. एक चीनी बौद्ध भिक्षु था, जिसने नालंदा में बौद्ध शास्त्रों का अध्ययन किया था और 627 से 643 ईसवी तक भारत की 17 वर्ष की लंबी यात्रा के लिए प्रसिद्ध है—

- (a) मेगस्थनीज (b) अलबरूनी
(c) ह्वेनसांग (d) फाहियान

RRB ALP & Tec. (17-08-18 Shift-III)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

220. इनमें से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था?

- (a) फाहियान (b) अलबरूनी
(c) इत्सिंग (d) ह्वेनसांग

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

221. इनमें से कौन सा चीनी यात्री नालंदा आया और छात्र और शिक्षक दोनों के रूप में रहा?

- (a) फाहियान (b) कुबलई खान
(c) ह्वेनसांग (d) इत्सिंग

RRB JE - 26/05/2019 (Shift-II)

Ans : (c) चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में नालंदा आया तथा छात्र और शिक्षक दोनों के रूप में रहा।

222. बाणभट्ट किस राजा के दरबारी कवि थे?

- (a) चंद्रगुप्त (b) हर्षवर्धन
(c) अशोक (d) समुद्रगुप्त

RRB NTPC 01.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। ये राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। इनके दो प्रमुख ग्रन्थ हर्षचरितम् तथा कादम्बरी हैं। इनके दोनों ग्रन्थ संस्कृत साहित्य के महत्वपूर्ण ग्रंथ माने जाते हैं।

223. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्नों में से एक है?

- (a) वराहमिहिर (b) मोगल्लना
(c) विशाखदत्त (d) ब्रह्मगुप्त

RRB NTPC 07.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : चंद्रगुप्त द्वितीय को विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने 375 से 415 ई. तक शासन किया। गुप्त साम्राज्य का यह समय भारत का स्वर्णिम युग भी कहा जाता है। चंद्रगुप्त ने गुप्त सम्वत् की शुरुआत की। साँची अभिलेख में उन्हें 'देवराज' कहा गया है। चंद्रगुप्त के दरबार में नवरत्न निवास करते थे, जिनमें—कालिदास, वराहमिहिर, धन्वन्तरि, घटखर्पर, शंकु, अमर सिंह, वेताल भट्ट, क्षपणक, वररुचि थे।

224. इनमें से किसे 'भारत के नेपोलियन' के नाम से जाना जाता है?

- (a) स्कन्दगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) चंद्रगुप्त (d) कुमारगुप्त

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : समुद्रगुप्त— वह चंद्रगुप्त प्रथम का पुत्र था। वह गुप्त वंश का एक महान योद्धा तथा कुशल सेनापति था। समुद्रगुप्त की विजयों के कारण इतिहासकार विसंट स्मिथ ने अपनी पुस्तक 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इण्डिया' में समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा था।

उपाधियाँ— पराक्रमांक, अप्रतिरथ, सर्वराजोच्छेता, लिच्छवी दौहित्र आदि समुद्रगुप्त की उपाधियाँ हैं।

225. प्राचीन भारतीय इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण शासकों में से एक, चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री का नाम बताएं।

- (a) लोपामुद्रा (b) रुद्रमा देवी
(c) पार्वती गुप्त (d) प्रभावती गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चंद्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.) गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। इसने वैवाहिक संबंध और विजय दोनों तरह से साम्राज्य की सीमा का विस्तार किया। अपनी वैवाहिक नीति को इसने दो पड़ोसी राज्य नागाओं और वाकाटक के खिलाफ निर्देशित किया। इन दो शक्तियों को जीतना चंद्रगुप्त द्वितीय के लिए बहुत आवश्यक था ताकि शक क्षत्रपों को वश में किया जा सके। सबसे पहले चंद्रगुप्त ने नाग राजकुमारी कुबेरनागा से शादी की और इनको मित्र बनाया तथा चंद्रगुप्त अपनी बेटी प्रभावती गुप्त का विवाह महाराष्ट्र के वाकाटक शासक रुद्रसेन द्वितीय से किया। इस तरह वह महाराष्ट्र और मध्य भारत में अपनी शक्ति को मजबूत किया।

226. विक्रमादित्य किस प्रसिद्ध गुप्त शासक का एक अन्य नाम है?

- (a) कुमार गुप्त द्वितीय (b) चंद्र गुप्त प्रथम
(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) राम गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त द्वितीय जिनको संस्कृत में विक्रमादित्य या चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, गुप्त वंश के एक शक्तिशाली सम्राट थे। चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), समुद्रगुप्त के उत्तराधिकारी थे। इनके शासन काल में चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान भारत आया।

227. सुप्रसिद्ध काव्य 'मेघदूत' इनमें से किसकी कृति है?

- (a) सतनार (b) प्रेमचंद
(c) कालिदास (d) इलांगो

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कालिदास तीसरी-चौथी शताब्दी में गुप्त साम्राज्य में संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार थे। अभिज्ञानशाकुन्तलम् कालिदास का एक प्रसिद्ध नाटक है। कालिदास की प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं-

नाटक - अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्
महाकाव्य - रघुवंशम् और कुमारसंभवम्
खण्डकाव्य - मेघदूतम् और ऋतुसंहारम्

228. प्रशस्ति में किस राजवंश के शासकों ने अपनी उपलब्धियाँ लिखी?

- (a) राजपूत वंश (b) गुप्त वंश
(c) मुगल वंश (d) खिलजी वंश

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : गुप्त वंश के अन्तर्गत शासकों ने प्रशस्ति में अपनी उपलब्धियाँ लिखवायी थी। प्रशस्ति अपने शासकों की प्रशंसा में कवियों द्वारा रचित शिलालेखों की एक भारतीय शैली है। प्रशस्ति का सबसे पहला प्रसिद्ध उदाहरण खारवेल का हाथीगुम्फा शिलालेख है जो प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लगभग पहली शताब्दी ईसा पूर्व में लिखा हुआ माना जाता है।

229. गुप्त साम्राज्य के निम्नलिखित राजाओं में से कौन एक अच्छा वीणावादक भी था?

- (a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) चंद्रगुप्त प्रथम

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त हुआ, समुद्रगुप्त को गुप्त वंश का महानतम शासक एवं एक अच्छा वीणावादक के रूप में भी जाना जाता है। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया। इन्हीं विजयों के कारण इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है। समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था, और इसे संगीत-प्रेमी भी कहा गया। ऐसा अनुमान उसके सिक्कों पर उसे वीणा-वादन करते हुए दिखाया जाने से लगाया गया है।

230. किस युग को प्राचीन भारत का स्वर्ण युग कहा जाता है?

- (a) मौर्य साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(b) चोल साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(c) गुप्त साम्राज्य, चौथी शताब्दी
(d) कुषाण साम्राज्य, पहली शताब्दी

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है। इसे भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार, धार्मिक सहिष्णुता, आर्थिक समृद्धि तथा शासन व्यवस्था की स्थापना काल के रूप में जाना जाता है।

● मूर्तिकला के क्षेत्र में देखें तो गुप्तकाल में भरहुत अमरावती, सांची तथा मथुरा इस काल की प्रसिद्ध मूर्तियों के निर्माण का काल था।

- चित्रकारी के क्षेत्र में अजन्ता, एलोरा तथा बाघ की गुफाओं में की गई चित्रकारी है।
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में आर्यभट्ट जहाँ पृथ्वी की त्रिज्या की गणना की और सूर्य-केन्द्रित ब्रह्माण्ड का सिद्धान्त दिया वहीं दूसरी ओर वराहमिहिर ने चन्द्र कैलेण्डर की शुरुआत की।

231. किस काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा गया है?

- (a) मगध काल (b) मुगल काल
(c) मौर्य काल (d) गुप्त काल

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

232. नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक तथा महत्वपूर्ण बौद्ध शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र माना जाता है। इसकी स्थापना किस भारतीय शासक ने की थी ?

- (a) हर्ष वर्धन (b) चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) कुमारगुप्त प्रथम (d) अशोक

RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक महत्वपूर्ण केन्द्र माना जाता है। इसकी स्थापना गुप्तवंश के शासक कुमारगुप्त-I (415-455 ई. पू.) ने बिहार राज्य के नालंदा जिले में करवाया था। महायान बौद्ध धर्म के इस विश्वविद्यालय में हीनयान बौद्ध के साथ अन्य धर्मों की शिक्षा दी जाती थी। हेनसांग के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति शीलभद्र थे। 1193 ई. में तुर्क सेनापति बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था।

233. चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर किसने संभाली ?

- (a) ब्रह्मगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) शूद्रक (d) श्री गुप्त

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर समुद्रगुप्त ने संभाली। समुद्रगुप्त, गुप्त राजवंश के चौथे शासक थे।

234. हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद, प्रतिहार, पाल एवं राष्ट्रकूट वंश के राजाओं ने _____ पर आधिपत्य प्राप्त करने के लिए दूसरे के साथ युद्ध किया।

- (a) बादामी (b) कन्नौज
(c) दिल्ली (d) गुजरात

RRB Group-D 12-11-2018 (Shift-III)

Ans. (b) : हर्ष के पश्चात् कन्नौज विभिन्न शक्तियों का केंद्र बन गया। आठवीं शताब्दी में कन्नौज पर अधिकार करने के लिये तीन बड़ी शक्तियों-पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट के बीच संघर्ष आरंभ हो गया। यह संघर्ष लगभग 200 वर्षों तक चला। त्रिपक्षीय संघर्ष के फलस्वरूप कन्नौज पर अंतिम रूप से गुर्जर-प्रतिहार शासकों का अधिकार हो गया।

235. चौथी शताब्दी की शुरुआत में, गुप्तों ने में एक छोटा सा साम्राज्य स्थापित कर लिया था?

- (a) वातापी (b) अवध
(c) मगध (d) मालवा

RRB ALP & Tec. (21-08-18 Shift-I)

Ans : (c) : चौथी शताब्दी में उत्तर भारत के मगध में एक नए वंश का उदय हुआ। इस वंश का नाम गुप्त वंश था। इस वंश के संस्थापक श्रीगुप्त थे। मौर्य वंश के पतन के पश्चात् नष्ट हुई मगध की राजनीतिक एकता को पुनः स्थापित करने का श्रेय गुप्त वंश को है।

236. निम्नलिखित में से कौन सा नगर गुप्त वंश की राजधानी था?
- (a) पाटलिपुत्र (b) कौशल
(c) काशी (d) उज्जैन

RRB JE - 30/05/2019 (Shift-I)

Ans : (a) कुषाणों के पतन के बाद उत्तर भारत में अनेक राज्यों का उदय हुआ, जिनमें से मगध में गुप्त राजवंश भी एक था। गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था। इसके बाद घटोत्कच शासक हुआ। गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम को माना जाता है। गुप्तों की राजधानी 'पाटलिपुत्र' (आधुनिक पटना) थी।

237. गुप्त साम्राज्य के वास्तविक संस्थापक कौन थे?

- (a) चंद्रगुप्त II (b) समुद्रगुप्त
(c) श्री गुप्त (d) घटोत्कच

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था, जिसने महाराज की उपाधि धारण की थी। श्रीगुप्त के बाद उसका पुत्र 'घटोत्कच' गुप्त वंश का शासक बना। इसके बाद चंद्रगुप्त प्रथम राजा बना, जो गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। चन्द्रगुप्त प्रथम को ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

238. गुप्त काल के दौरान चीन के किस यात्री ने भारत का भ्रमण किया था?

- (a) हियुन सैंग (b) फाहियान
(c) आई चिंग (d) ली क्सियु

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) गुप्तकाल के दौरान चीनी यात्री फाहियान भारत आया था। वह चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में आया था। फाहियान की भारत यात्रा का उद्देश्य बौद्ध हस्तलिपियों एवं बौद्ध स्मृतियों को खोजना था इसलिए फाहियान ने उन्हीं स्थानों के भ्रमण को महत्व दिया जो बौद्ध धर्म से सम्बन्धित थे।

239. हर्षवर्धन के राजसभा कवि कौन थे?

- (a) जयदेव (b) बाणभट्ट
(c) चंद्रबरदाई (d) विल्हण

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-II)

Ans. (b) बाणभट्ट हर्षवर्धन की राजसभा के दरबारी कवि थे। ये संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान थे। इन्होंने 'हर्षचरित' एवं 'कादम्बरी' की रचना की थी। चन्द्रबरदाई, पृथ्वीराज चौहान के राजकवि थे। इन्होंने 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की थी। जयदेव, लक्ष्मण सेन के दरबारी कवि थे। इन्होंने 'गीत गोविन्द' की रचना की थी।

240. हर्ष की मृत्यु के बाद सातवीं शताब्दी के आसपास प्रभुत्व में आए और उनके काल को भारत के अंधे युग के रूप में माना जाता था।

- (a) राजपूत (b) अंग्रेज
(c) तुर्क (d) मुगल

RRB Group-D 30-10-2018 (Shift-I)

Ans : (a) हर्षवर्धन की मृत्यु के पश्चात उसका सम्पूर्ण साम्राज्य छोटे-छोटे राज्यों में बँट गया, जिसमें अधिकांश राज्य के शासक राजपूत जाति के थे। 7वीं से 12वीं सदी, भारतीय इतिहास में राजपूत युग के नाम से जानी जाती है। हर्ष की मृत्यु के बाद राजपूतों (गुर्जर-प्रतिहार, पाल तथा राष्ट्रकूटों) में त्रिकोणात्मक संघर्ष हुआ जिसमें गुर्जर-प्रतिहार वंश विजयी हुए और कन्नौज पर उनका अधिपत्य हुआ।

241. चंद्रगुप्त द्वितीय ने गुप्त साम्राज्य काईस्वी में गुजरात तक विस्तार कर लिया था।

- (a) 930 (b) 903
(c) 309 (d) 390

RRB Group-D 03-10-2018 (Shift-II)

Ans : (d) चन्द्रगुप्त द्वितीय ने गुप्त साम्राज्य का 390 ईस्वी में गुजरात तक विस्तार कर लिया था।

242. चीनी यात्री इत्सिंग (I-tsing) _____ में तीन वर्ष ठहरकर संस्कृत सीखा था।

- (a) ताम्रलिपि (b) नालंदा
(c) पाटलिपुत्र (d) बोध गया

RRB Group-D 22-10-2018 (Shift-II)

Ans. (a) इत्सिंग चीनी बौद्ध यात्री था। यह सातवीं शताब्दी के अन्त में भारत आया। वह दक्षिण के समुद्री मार्ग से होकर भारत आया। सुमात्रा तथा लंका होते हुए वह ताम्रलिपि पहुँचा जहाँ तीन वर्षों तक रहकर संस्कृत का अध्ययन किया।

11. दक्षिण भारतीय राजवंश (चोल/चालुक्य/पल्लव/संगम)

[South Indian Dynasties (Chola/
Chalukya/Pallava/Sangama)]

243. संगम साहित्य की रचना किस शास्त्रीय भाषा में हुई थी?

- (a) संस्कृत (b) ओड़िया
(c) मलयालम (d) तमिल

RRB Group-D - 19/09/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : संगम साहित्य की रचना तमिल भाषा में हुई थी। ऐतिहासिक युग के प्रारम्भ में दक्षिण भारत का क्रम बद्ध इतिहास जिस साहित्य से प्राप्त होता है, उसे संगम साहित्य कहा जाता है। संगम युग के दौरान दक्षिण भारत पर तीन राजवंशों - चेर, चोल और पाण्ड्य का शासन था। संगमकालीन प्रमुख रचनाएं - तोलकाप्पियम, इत्युथोके तथा शिलप्पादिकारम आदि हैं।

244. चोल शिलालेख से उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गई भूमि को कहा जाता था।

- (a) ब्रह्मदेय (b) वेल्लनवगाई
(c) पल्लिचंदम (d) शालाभोग

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल शिलालेख में उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गयी भूमि को शालाभोग कहा जाता था। ब्रह्मदेय, ब्राह्मणों को उपहार दी गयी भूमि थी। वही वेल्लनवगाई गैर ब्राह्मणों व किसानों को प्रदान की गयी भूमि थी। पल्लिचंदम, जैन संस्थाओं को प्रदान की गयी भूमि थी।

245. _____ होयसल (Hoysala) साम्राज्य की राजधानी थी।

- (a) देवगिरि (b) द्वारसमुद्र
(c) मैसूर (d) कल्याणी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : होयसल यादवों के वंशज थे तथा ये चोल या पश्चिमी चालुक्यों के सामन्त थे। ये कर्नाटक के एक छोटे से भाग पर शासन करते थे। होयसल वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की थी। इनकी राजधानी द्वारसमुद्र थी।

246. दिए गए विकल्पों में से, किस राजवंश ने दक्षिण पूर्व एशिया में शिपिंग उद्यम स्थापित किए?

- (a) चालुक्य वंश (b) गुप्त वंश
(c) चेर वंश (d) चोल वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल राजवंश पेन्नार और कावेरी नदियों के बीच पूर्वी समुद्र तट पर स्थित था। इस राजवंश की स्थापना विजयालय (850-887) ने की थी। चोलकालीन प्रमुख बन्दरगाह महाबलिपुरम्, कावेरी पत्तनम्, शालियूर, कोरकई आदि थे।

247. राजा सिंह विष्णु _____ वंश के शासक थे।

- (a) चोल (b) पल्लव
(c) पाल (d) चालुक्य

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : राजा सिंहविष्णु (575-600 ई.) पल्लव वंश के शासक थे। सातवाहनों के ध्वंसावशेषों पर निर्मित होने वाले पल्लव वंश की स्थापना इन्होंने ही की थी। सातवाहन साम्राज्य के दक्षिण-पूर्वी भाग में शासन करने वाले पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम (तमिलनाडु) थी। उल्लेखनीय है कि संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि व 'किरातार्जुनीयम' के रचयिता भारवि सिंहविष्णु के दरबार में रहते थे।

248. पुलकेशिन प्रथम और पुलकेशिन द्वितीय नामक शासक _____ से संबंधित थे।

- (a) चोल वंश (b) चालुक्य वंश
(c) कुषाण वंश (d) मगध वंश

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना राजा जयसिंह ने की थी। इसकी राजधानी वातापी (बीजापुर के निकट) थी। इस वंश के प्रमुख शासक थे-पुलकेशिन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेशिन द्वितीय, विक्रमादित्य, विनयादित्य एवं विजयादित्य। इन सब में से सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन द्वितीय था। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसने दक्षिणा पथेश्वर की उपाधि धारण की थी। वातापी के चालुक्य वंश का अंतिम राजा कीर्तिवर्मन द्वितीय था जिसे दन्तिदुर्ग ने परास्त कर राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की थी।

249. पुलकेशिन द्वितीय किस राजवंश का सर्वाधिक प्रख्यात शासक था?

- (a) चालुक्य (b) काकतीय
(c) पांड्य (d) होयसल

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : पुलकेशिन द्वितीय वातापी के चालुक्य वंश का प्रतापी शासक था। यह कीर्ति वर्मन प्रथम का पुत्र था। पुलकेशिन-II के युद्ध एव विजयों के विषयों में जानकारी ऐहोल अभिलेख से मिलती है। इसकी रचना उसके समकालीन कवि रविकीर्ति ने की थी। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के तट पर हराकर सम्पूर्ण दक्षिण भारत को अपने नियंत्रण में कर लिया। हर्षवर्धन को पराजित करने के पश्चात पुलकेशिन द्वितीय ने अपना दूसरा नाम परमेश्वर रखा। लोहनेर अभिलेख में पुलकेशिन द्वितीय को 'पूर्व एवं पश्चिमी पयोधि का स्वामी' कहा गया है। इसी अभिलेख में इसे परमभागवत् कहा गया है।

250. सातवीं और आठवीं सदी में बहुत शक्तिशाली हो गए और कांचीपुरम उनकी राजधानी थी।

- (a) पल्लव (b) प्रतिहार
(c) पाल (d) चोल

RRB Group-D 26-10-2018 (Shift-II)

Ans : (a) सातवीं और आठवीं सदी में पल्लव एक शक्तिशाली वंश के रूप में स्थापित हुए, जिसका वास्तविक संस्थापक सिंहविष्णु (570-600 ई.) को माना जाता है। इन्होंने 'अवनिर्वाह' की उपाधि धारण की। इस वंश के सबसे प्रतापी शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय ने कांची के कैलाशनाथ तथा ऐरावतेश्वर मंदिर और महाबलीपुरम के तटीय मंदिर का निर्माण करवाया था।

251. कांची की राजधानी थी-

- (a) राष्ट्रकूट (b) चोल
(c) पल्लव (d) चालुक्य

RRB JE CBT-II 28-08-2019 (morning)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

252. पांड्य वंश की राजधानी थी।

- (a) गया (b) कांचीपुरम
(c) मदुरै (d) द्वारसमुद्र

RRB Group-D 01-10-2018 (Shift-II)

Ans. (c) तमिल प्रदेश का इतिहास मुख्य रूप से तीन राजवंशों का रहा है-चोल, चेर, पांड्य। पांड्य राजवंश का साम्राज्य तमिल प्रदेश के दक्षिण पूर्वी छोर पर बेल्लारी नदी के किनारे स्थित है। पांड्यों की राजधानी का नाम 'मदुरै' था।

253. ने मदुरै के आस-पास के क्षेत्र पर शासन किया और तेरहवीं शताब्दी में सर्वोच्चता प्राप्त की-

- (a) राजपूत (b) चोल
(c) चेर (d) पांड्या

RRB Group-D 24-10-2018 (Shift-I)

Ans : (d) पांड्य वंश के शासकों ने मदुरै पर शासन किया। पाण्ड्य वंश का इतिहास तीन चरणों में विभाजित किया जाता है।

- (1) संगमकालीन पाण्ड्य राज्य
 - (2) कंडुगोन द्वारा स्थापित प्रथम पाण्ड्य साम्राज्य
 - (3) सुन्दरपाण्ड्य द्वारा स्थापित द्वितीय पाण्ड्य साम्राज्य
- तमिल रचना 'संगम साहित्य' से पाण्ड्य वंश की जानकारी प्राप्त होती है। मदुरै दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य का एक मुख्यालय नगर है। यह नगर अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। यहाँ का मुख्य आकर्षण 'मीनाक्षी मंदिर' है।

254. पूर्व चोल राजाओं में से किसे सबसे महान माना जाता है?

- (a) पुलकेशीन II (b) राजसिंहा
(c) करिकाल (d) नन्दीवर्मन

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) चोलों की प्रारम्भिक राजधानी 'उत्तरी मनलूर' थी, बाद में उरैयूर एवं तंजावूर बनी। संगम कालीन तीनों राज्यों में सर्वप्रथम चोलों का अभ्युदय हुआ। इस वंश का सबसे प्रतापी शासक करिकाल (करीकला) था, जिसने वणिग के युद्ध में पांड्य तथा चेर सहित 11 राजाओं को हराया। करिकाल ने कावेरी नदी के तट पर पुहार पत्तन (कावेरीपत्तनम्) नामक नगर की स्थापना की। चोलों का प्रमुख बंदरगाह कावेरीपत्तनम् तथा राजकीय चिन्ह बाघ था।

255. पल्लव वंश के कौन से राजा संस्कृत नाटक भी लिखा करते थे?

- (a) राजा राज चोल (b) महेंद्रवर्मन
(c) राजसिंहा (d) विक्रमादित्य

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) पल्लव वंश के राजा महेंद्रवर्मन-I (600-630 ई.) के समय में पल्लव साम्राज्य न केवल राजनीतिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कलात्मक दृष्टि से भी अपने चरमोत्कर्ष पर था। महेंद्रवर्मन-I ने 'मत्तविलासप्रहसन' तथा 'भगवद्गुणकीयम्' जैसे महत्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की तथा संस्कृत में भी कई नाटक लिखे।

256. किस चालुक्य राजा ने कन्नौज के राजा हर्ष को पराजित किया था?

- (a) सिद्धराज सोलंकी (b) वास्तुपाल
(c) पुलकेशिन II (d) मुलराज

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) कन्नौज के राजा हर्ष को बादामी के चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर हराया था। दोनों राजाओं की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने संघर्ष को अनिवार्य बना दिया।

257. चोल राजवंश के अंतिम शासक कौन थे?

- (a) राजाराज चोल II (b) राजेन्द्र चोल III
(c) विजयालय चोल (d) कुलोतुंग चोल III

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) चोल वंश का अंतिम शासक अधिराजन या राजेन्द्र चोल III था। विजयालय ने 850 ई. में चोल वंश की स्थापना की जिसकी राजधानी तंजौर थी। यह राज्य पेन्नार एवं कावेरी नदियों के बीच पूर्वी तट पर अवस्थित था।

258. कौन से चोल राजा (Chola King) ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय पाई थी?

- (a) करीकाला (b) राजाराज
(c) महेन्द्र (d) विक्रम

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) राजाराज ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय प्राप्त की थी। इसकी अन्य विजय केरल, पांड्य, सिंहल एवं पश्चिमी गंगा थी। राजाराज की प्रथम विजय केरल थी जबकि अंतिम विजय मालदीव था।

259. प्रारम्भिक चेर वंशीय (Chera Dynasty) राजाओं ने किन राज्यों पर शासन किया था?

- (a) तमिलनाडु और केरल
(b) बंगाल और उड़ीसा
(c) अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम
(d) महाराष्ट्र और गुजरात

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) प्रारम्भिक चेर वंश के राजाओं ने तमिलनाडु और केरल राज्यों पर शासन किया था। चेरों का शासनकाल संगम साहित्य युग के पूर्व आरम्भ हुआ था, उसमें आधुनिक त्रावणकोर, कोचीन, मालाबार, कोयंबटूर और सलेम (दक्षिणी) जिलों के प्रदेश सम्मिलित थे।

260. किस भारतीय राजा ने पूर्व-एशिया के कुछ हिस्सों को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया था?

- (a) अकबर (b) कृष्णदेव
(c) राजेन्द्र चोल (d) शिवाजी

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (c) भारतीय राजा राजेन्द्र चोल ने दक्षिण पूर्व एशिया को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया। भारत के इतिहास में केवल चोल वंश ही है, जिसने नौसेना पर अधिक ध्यान दिया। इसने गंगईकोण्ड की उपाधि धारण की थी।

12. सीमावर्ती राजवंश (Borderline Dynasties)

261. 9वीं शताब्दी में स्थापित प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने कराई थी?

- (a) सामंत सेन (b) बल्लाल सेन
(c) धर्मपाल (d) गोपाल

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पालवंश का संस्थापक गोपाल (750 ई.) था। पाल शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। गोपाल ओदन्तपुरी में एक मठ का निर्माण करवाया था। पालवंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय (भागलपुर, बिहार) की स्थापना की थी। धर्मपाल ने सर्वप्रथम पालवंश की ओर से त्रिपक्षीय संघर्ष में हिस्सा लिया था।

262. सबसे प्रसिद्ध पशुचारण और शिकारी जनजातियों 'मंगोल' बसे हुए हैं।.....

- (a) दक्षिण एशिया (b) अरब प्रायद्वीप
(c) दक्षिण-पूर्वी एशिया (d) मध्य एशिया

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मंगोल मध्य एशिया में रहने वाली एक जनजाति है। ये वर्तमान में मंगोलिया, चीन एवं रूस में निवास करते हैं। ये शिकारी, तीरंदाजी एवं घुड़सवारी में कुशल थे। चंगेज खान भी मंगोल था।

263. विंध्यशक्ति वंश के संस्थापक थे?

- (a) वाकाटक (b) काकतीय
(c) पांडव (d) चोल

RRB Group-D 17-09-2018 (Shift-III)

Ans. (a) विंध्यशक्ति, वाकाटक राजवंश के संस्थापक थे। वाकाटक राजवंश मध्य प्रदेश के ऊपरी भाग पर तथा बरार (आन्ध्र प्रदेश) तक विस्तृत था। विंध्यशक्ति का उल्लेख वायुपुराण तथा अजंतालेख में मिलता है। इस वंश का सबसे शक्तिशाली राजा प्रवरसेन प्रथम था। प्रवरसेन इस वंश का इकलौता शासक था जिसने 'सम्राट' की उपाधि धारण की।

264. पाल राजवंश का पहला राजा कौन था?

- (a) गोपाल (b) देवपाल
(c) मैदनपाल (d) नन्दलाल

RRB Group-D 22-10-2018 (Shift-II)

Ans : (a) पालवंश का संस्थापक व प्रथम राजा गोपाल (750 ई.) था।

265. इनमें से कौन सा राजवंश दक्षिण भारत से संबद्ध नहीं है?

- (a) पाण्ड्य (b) पाल
(c) सातवाहन (d) पहल्लव

RRB NTPC Stage Ist 19.01.2017 (Shift-I)

Ans : (b) पाण्ड्य, सातवाहन तथा पहल्लव वंश दक्षिण भारत के प्रसिद्ध राजवंश हैं, जबकि पाल वंश की स्थापना बंगाल में गोपाल ने की। पाल वंश की राजधानी मुंगेर थी। पाल वंश का द्वितीय शासक धर्मपाल (770-810 ई.) हुआ, जिसके काल में त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरुआत हुई। इसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय एवं सोमपुर महाविहार की स्थापना की तथा नालन्दा विश्वविद्यालय का जीर्णोद्धार कराया। इसका उत्तराधिकारी देवपाल हुआ। इसी के काल में जावा के शैलेन्द्र शासक बालपुत्रदेव ने नालन्दा में बौद्ध बिहार बनवाया। पाल वंश का अंतिम शासक रामपाल हुआ।

13. प्राचीनकालीन साहित्य एवं साहित्यकार (Ancient Literature and Litterateur)

266. गुणाढ्य का/की----पैशाची भाषा में लिखित है।

- (a) मृच्छकटिकम् (b) पंचतंत्र
(c) कथासरित्सागर (d) बृहत्कथा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : प्राचीन साहित्य के कथाकारों में गुणाढ्य बहुत प्रसिद्ध है। वह सातवाहन नरेश 'हाल' के दरबार में निवास करता था। इन्होंने ही पैशाची भाषा में 'बृहत्कथा' की रचना की थी। मृच्छकटिकम् के लेखक शूद्रक है यह संस्कृत भाषा में लिखित नाट्य साहित्य है। पंचतंत्र के लेखक विष्णुशर्मा तथा कथासरित्सागर के लेखक महाकवि सोमदेव भट्ट हैं।

267. _____ द्वारा रचित नागानन्द, एक संस्कृत नाटक है, जिसमें नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जिमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन है।

- (a) अशोक (b) हर्ष
(c) चंद्र गुप्त प्रथम (d) बिंदुसार

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन (606-647 ई०) कन्नौज का प्रतापी सम्राट था। वह साहित्य व कला का पोषक था। उसने संस्कृत में तीन नाटकों की रचना की - रत्नावली, नागानन्द तथा प्रियदर्शिका। नागानन्द में नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जिमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन किया गया है।

268. निम्न में से उस विकल्प का चयन करें, जो कालिदास के 'विक्रमोर्वशीयम्' नाटक में वर्णित है।

- (a) मालविका के लिए राजा अग्निमित्र का प्रेम
(b) नल और दमयंती की कथा
(c) दुष्यंत और शकुंतला की कथा
(d) पुरुरवा और उर्वशी की प्रेम-कथा

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : विक्रमोर्वशीयम् कालिदास का प्रसिद्ध नाटक है। इसमें राजा पुरुरवा तथा अप्सरा उर्वशी की प्रणय कथा वर्णित है। विक्रमोर्वशीयम् में शृंगार रस की प्रधानता है। इसकी कथा ऋग्वेद तथा शतपथ ब्राह्मण से ली गयी है। महाकवि कालिदास ने विक्रमोर्वशीयम् नाटक को मानवीय प्रेम की अत्यन्त मधुर एवं सुकुमार कहानी में परिणत किया है। कालिदास ने अपने इस नाटक का दृश्यांकन झूँसी (प्राचीन प्रतिष्ठानपुर) में किया था।

269. इनमें से कौन से प्राचीन यूनानी इतिहासकार और राजनयिक 'इंडिका (Indica)' नामक पुस्तक के लेखक हैं?

- (a) मेगस्थनीज (b) सेल्यूकस
(c) डाइमैकस (d) डायोनिसियस

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :	
पुस्तक	लेखक
इण्डिका	मेगस्थनीज
सी-यू-की	हैनसांग
किताब-उल-हिन्द	अलबरूनी
किताब-ए-रेहला	इब्न-बतूता

270. भारतीय महाकाव्य महाभारत (व्यास कृत) के अठारह पर्वों में से छठा पर्व कौन सा है, जिसमें व्यापक रूप से भगवद्गीता का वर्णन है?

- (a) भीष्म पर्व (b) विराट पर्व
(c) सभा पर्व (d) आदि पर्व

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : महाभारत के भीष्म पर्व में श्रीमद् भगवद्गीता का वर्णन है। भीष्म पर्व के अंतर्गत महाभारत में चार उपपर्व एवं 122 अध्याय हैं। इन उपपर्व के नाम जंबूखण्ड विनिर्माण पर्व, भूमि पर्व, श्रीमद् भगवद्गीता पर्व एवं भीष्म वध पर्व हैं।

271. राजकुमारी रत्नावली की प्रेम कहानी के संबंध में संस्कृत नाटक 'रत्नावली' _____ द्वारा लिखित माना जाता है।

- (a) विशाखदत्त (b) कालिदास
(c) हर्ष (d) भवभूति

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : हर्ष ने रत्नावली, प्रियदर्शिका एवं नागानन्द नाटक की रचना की। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने अपने लेखन में राजा हर्षवर्धन के कार्यों की सहायता की।

272. कालिदास ने मेघदूत नामक अपने काव्य को निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखा था?

- (a) पाली (b) प्राकृत
(c) हिन्दी (d) संस्कृत

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : कालिदास, तीसरी व चौथी शताब्दी में संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने अपनी सभी कृतियाँ संस्कृत भाषा में लिखी हैं, जिनमें 'मेघदूत' नामक काव्य उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। यह एक गीतिकाव्य है, जिसमें यक्ष द्वारा मेघ से सन्देश ले जाने की प्रार्थना और उसे दूत बनाकर अपनी प्रिया के पास भेजने का वर्णन है।

273. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना, कालिदास की नहीं है?

- (a) विक्रमोर्वशीयम् (b) रघुवंशम्
(c) नीतिसार (d) अभिज्ञान शाकुंतलम्

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : कालिदास संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने पौराणिक कथाओं तथा दर्शन को आधार बनाकर अनेक रचनाएँ की, जिनमें 'विक्रमोर्वशीयम्', 'रघुवंशम्' व 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' प्रमुख हैं। नीतिसार राज्य शास्त्र का एक संस्कृत ग्रंथ है, इसके रचयिता कामंदक हैं।

274. प्राचीन भारतीय महाकाव्य _____को अब तक ज्ञात सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में जाना जाता है, और इसे अब तक लिखे गए सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में वर्णित किया जाता है।

- (a) रामायण (b) भगवद् गीता
(c) महाभारत (d) बुद्धचरित

RRB Group-D - 19/09/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन भारतीय महाकाव्य 'महाभारत' को अब तक ज्ञात सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में जाना जाता है और इसे अब तक लिखे गए सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में वर्णित किया जाता है। श्रीमद्भगवद् गीता महाभारत का ही एक भाग है। भगवद्गीता महाभारत के भीष्म पर्व से संबंधित है। महाभारत में कुल 18 पर्व हैं।

275. पाणिनी संस्कृत के प्रसिद्ध _____ थे।

- (a) कवि (b) उपन्यासकार
(c) व्याकरणाचार्य (d) लेखक

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB Group-D 02-11-2018 (Shift-II)

Ans. (c) : पाणिनी प्राचीन भारत में संस्कृत भाषाविद्, व्याकरणविद् और श्रुद्धेय विद्वान थे। अष्टाध्यायी 5वीं शताब्दी ई. पू. में पाणिनी द्वारा लिखित संस्कृत व्याकरण है।

276. कालिदास द्वारा लिखे गए 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' में शकुंतला का पुत्र कौन था?

- (a) भरत (b) विक्रम
(c) प्रदयुम्न (d) अनिरुद्र

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' नाटक के रचनाकार कालिदास है। इसमें शकुंतला और राजा दुष्यन्त की प्रणय कथा का वर्णन सात अंकों में किया गया है। शकुंतला का पुत्र भरत था। इनकी अन्य कृतियां मेघदूतम्, रघुवंशम् तथा ऋतुसंहार आदि हैं।

277. नाट्य शास्त्र-पुस्तक भारत के शास्त्रीय नृत्य पर किसके द्वारा लिखी गई थी?

- (a) श्री वेदव्यास (b) श्री तुलसीदास
(c) भरत मुनि (d) कश्यप मुनि

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : नाटकों के संबंध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्यशास्त्र कहते हैं। इसके रचयिता भरत मुनि थे।

278. निम्न में से किसकी रचना कालिदास द्वारा की गई?

- (a) कुमारसंभवम्
(b) मालती माधव
(c) किरातार्जुनीयम्
(d) किरातार्जुनीयम् और कुमारसंभवम् दोनों

RRB JE - 31/05/2019 (Shift-II)

Ans. (a)

कवि रचनाएँ
कालिदास - कुमारसंभवम्, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुंतलम्
भवभूति - महावीरचरित, मालतीमाधव, उत्तररामचरित
भारवि - किरातार्जुनीयम्
अतः दिए गए विकल्पों में से कुमारसंभवम् कालिदास की रचना है।

279. प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई (Manimekalai) की रचना किसने की थी?

- (a) इलांगो आदिगल (b) नाथकुतनार
(c) सतनार (d) त्रोटक्कदेवर

RRB NTPC 07.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई की रचना सीतलैसत्तनार द्वारा की गई। इसके द्वारा तत्कालीन संगम समाज और राजनीति के विषय में जानकारी मिलती है। जिसमें चेर, चोल, पाण्ड्य आदि का राजनीतिक विवरण मिलता है।

280. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक विष्णु शर्मा द्वारा लिखित है?

- (a) अर्थशास्त्र (b) पंचतंत्र
(c) इंडिका (d) राजतरंगिणी

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

लेखक	पुस्तक
विष्णु शर्मा	— पंचतंत्र
कौटिल्य	— अर्थशास्त्र
मेगस्थनीज	— इंडिका
कल्हण	— राजतरंगिणी

281. 'मुद्राराक्षस' नाटक किसने लिखा था ?

- (a) सोमदेव (b) विशाखादत्त
(c) कालीदास (d) बोधायन

RRB NTPC 27.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

लेखक	रचनार्य
विशाखादत्त-	मुद्राराक्षस, देवीचन्द्रगुप्तम्, राघवानन्दनाटकम्, कथासरित्सागर
सोमदेव-	रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुंतलम्, कुमारसम्भवम्
कालीदास-	रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुंतलम्, कुमारसम्भवम्
बोधायन-	शुल्व सूत्र, श्रौत सूत्र

282. 'महाभारत' नामक संस्कृत महाकाव्य के लेखक कौन थे?

- (a) महर्षि वेद व्यास (b) महर्षि वाल्मीकि
(c) श्री कृष्ण (d) श्री सुखदेवजी

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'महाभारत' महर्षि वेद व्यास द्वारा रचित संस्कृत वाङ्मय का सबसे बड़ा ग्रन्थ है, जिसमें एक लाख श्लोक हैं। इसलिए इसे शतसाहस्री संहिता भी कहते हैं। महाभारत में मूलतः कौरवों और पाण्डवों का संघर्ष वर्णित है। रामायण, महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित एक दूसरा प्रमुख संस्कृत महाकाव्य है।

283. आर्यभट्टीयम् नामक पुस्तक आर्यभट्ट ने किस भाषा में लिखी थी?

- (a) तेलुगू (b) तमिल
(c) हिंदी (d) संस्कृत

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्टीयम् नामक ग्रन्थ की रचना आर्यभट्ट ने की थी। यह संस्कृत भाषा में आर्या छंद में काव्यरूप में रचित गणित तथा खगोलशास्त्र का ग्रन्थ है। इसकी रचना पद्धति बहुत वैज्ञानिक है। इसमें चार अध्यायों में 121 श्लोक हैं।

284. प्राचीन संस्कृत ग्रंथ, अष्टाध्यायी के लेखक कौन हैं ?

- (a) पतंजलि (b) पाणिनि
(c) अष्टावक्र (d) चरक

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : 'अष्टाध्यायी' (संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक) के लेखक पाणिनि हैं। इसमें मौर्य काल के पहले का इतिहास तथा मौर्ययुगीन राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है। अष्टाध्यायी में कुल सूत्रों की संख्या लगभग 3996 है।

ग्रन्थ	लेखक
महाभाष्य	— पतंजलि
नाट्यशास्त्र	— भरतमुनि
चरक संहिता	— चरक

285. 'सुश्रुत संहिता' किस विषय से संबंधित है ?

- (a) ज्योतिष शास्त्र
(b) चिकित्सा एवं शल्य-चिकित्सा
(c) गणित
(d) धर्म एवं पुराण-शास्त्र

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : सुश्रुत संहिता चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा (Surgery) से सम्बन्धित एक प्राचीन संस्कृत ग्रन्थ है। सुश्रुत को भारत में शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है और उन्होंने अपनी पुस्तक सुश्रुत संहिता में 120 प्रकार के उपकरणों और 300 प्रकार की सर्जिकल प्रक्रियाओं का वर्णन किया है।

भारत में आयुर्वेद से सम्बन्धित संहिता - चरक संहिता और अष्टांग संग्रह (मुख्य तौर पर औषधि ज्ञान से सम्बन्धित) है।

286. प्रसिद्ध संस्कृत नाटक 'स्वप्नवासवदत्तम्' किसने लिखा था?

- (a) जयदेव (b) कालिदास
(c) शूद्रक (d) भास

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

कृति	कृतिकार
◆ स्वप्नवासवदत्तम्	भास
◆ मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
◆ मृच्छकटिकम्	शूद्रक
◆ नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
◆ गीतगोविन्द और रसमंजरी	जयदेव

287. महाभारत का मूल नाम क्या है?

- (a) भृगु संहिता (b) सुश्रुत संहिता
(c) जय संहिता (d) शिव संहिता

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महाभारत का मूल नाम 'जयसंहिता' था, जिसे महर्षि कृष्णद्वैपायन वेदव्यास द्वारा लिखा गया। महाभारत का प्रारम्भिक उल्लेख 'आश्वलायन गृहसूत्र' में मिलता है। इस महाकाव्य में 18 पर्व हैं। इसे पाँचवे वेद के रूप में भी पहचाना जाता है।

288. 'दशकुमारचरित' या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' की रचना किसने की थी?

- (a) रहस बिहारी द्विवेदी (b) दण्डी
(c) भर्तृहरि (d) बुद्धस्वामी

RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : दशकुमारचरित, या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' दण्डी द्वारा प्रणीत संस्कृत गद्यकाव्य है। इसमें दस कुमारों का चरित्र वर्णित होने के कारण इसका नाम "दशकुमार चरित" है। दण्डी संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं।

289. हर्षचरित का लेखक कौन है?

- (a) कालिदास (b) पाणिनि
(c) कल्हण (d) बाणभट्ट

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

रचनाकार	रचनाएँ
कालिदास	- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्, कुमार संभवम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, ऋतुसंहार
पाणिनि	- अष्टाध्यायी
कल्हण	- राजतरंगिणी
बाणभट्ट	- हर्षचरित, कादम्बरी

290. गीत गोविंद किसने लिखा था?

- (a) जयदेव (b) मीराबाई
(c) रसखान (d) सूरदास

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : 'गीत गोविन्द' की रचना महाकवि जयदेव (12 वीं शताब्दी) ने संस्कृत भाषा में की थी। यह एक गीति काव्य है जिसमें प्रत्यक्ष रूप से कृष्ण और राधा की प्रेम लीलाओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण किया गया है। गीत गोविन्द में कुल 12 अध्याय हैं जिन्हें 24 भागों में बांटा गया है।

291. 'किताब-उल-हिंद' इनमें से किस यात्री एवं विद्वान की कृति है?

- (a) ड्यूआर्टे बारबोसा (b) सइदी अली रईस
(c) अलबरूनी (d) इब्न बतूता

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अलबरूनी का मूल नाम अबू रेहान था। इसका जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म के इलाके में हुआ था, जिसका संबंध उज्बेकिस्तान से स्थापित किया जाता है। अलबरूनी ईरानी मूल का मुसलमान था। 1017 ई. में जब सुल्तान महमूद ने ख्वारिज्म के राज्य पर आक्रमण कर उसे अपने राज्य में मिला लिया था, तो अलबरूनी भी बन्दी के रूप में गजनी में आया था। अलबरूनी की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम किताब-उल-हिन्द या तारीखे हिन्द था।

292. निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय दार्शनिक ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।

- (a) चरक (b) कणाद
(c) बौधायन (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : वैशेषिक दर्शन का प्रवर्तक कणाद मुनि को माना जाता है। वैशेषिक दर्शन में कणाद मुनि ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।

293. 'इंडिका' के लेखक हैं :

- (a) चाणक्य (b) मेगस्थनीज
(c) सेल्युकस (d) डैरियस

RRB J.E. -2014

RRB J.E. 2014 (14.12.2014 Red Paper)

Ans : (b) मेगस्थनीज यूनान का एक राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। वह कई वर्षों तक चन्द्रगुप्त के दरबार में रहा। उसने जो कुछ भारत में देखा, उसका वर्णन उसने "इंडिका" नामक अपनी पुस्तक में किया है। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र का बहुत ही सुन्दर और विस्तृत वर्णन किया है।

294. तमिल कवि 'कंबन' ने निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ के तमिल संस्करण का संकलन किया है?

- (a) महाभारत (b) रामायण
(c) ऋग्वेद (d) भगवद् गीता

RRB Group-D 27-11-2018 (Shift-III)

Ans. (b) तमिल भाषा के कवि 'कंबन' ने रामायण का तमिल संस्करण 'कंबरामायण' के नाम से संकलित किया था। यह तमिल साहित्य की सर्वोत्कृष्ट कृति है। कंबन चोल राजा कुल्लोतुंग तृतीय के दरबारी कवि थे।

295. 'मृच्छकटिक' नामक साहित्यिक कृति के लेखक कौन थे?

- (a) श्री हर्ष (b) कालिदास
(c) चाणक्य (d) शूद्रक

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मृच्छकटिकम् एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। शूद्रक द्वारा रचित इस नाटक से गुप्तकालीन सांस्कृतिक इतिहास की जानकारी मिलती है।

296. निम्नलिखित में से किसने प्राचीन भारत में “मृच्छकटिका” पुस्तक संकलित की है?

- (a) कल्हन (b) शूद्रक
(c) विक्रमवेद (d) बाणभट्ट

RRB Group-D 23-10-2018 (Shift-I)

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

297. संगम काल के महाकाव्य ‘शिल्पादिकारम्’ और मणिमेखलै’ — भाषा में लिखे गए थे।

- (a) पालि (b) पैशाची
(c) संस्कृत (d) तमिल

RRB Group-D 16-10-2018 (Shift-I)

Ans. (d) संगम काल के महाकाव्य शिल्पादिकारम् तथा मणिमेखलै तमिल भाषा में लिखे गये थे। शिल्पादिकारम् को तमिल साहित्य का प्रथम महाकाव्य माना गया है।

298. निम्नलिखित में से किसने संस्कृत नाटक ‘मुद्राराक्षस’ लिखा था?

- (a) नागार्जुन (b) सोमदेव
(c) विशाखदत्त (d) कालीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-I)

Ans. (c) ‘मुद्राराक्षस’ संस्कृत का प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटक है। इस संस्कृत नाटक के लेखक विशाखदत्त थे। इस नाटक में चाणक्य और चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं एवं चाणक्य की राजनीतिक सफलताओं का विश्लेषण मिलता है। इस नाटक को हिन्दी में सर्वप्रथम अनुवादित करने का श्रेय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को प्राप्त है। विशाखदत्त संस्कृत भाषा के सुप्रसिद्ध नाटककार थे। देवीचन्द्रगुप्तम् तथा राघवानन्द नाटकम् विशाखदत्त की अन्य रचनाएँ हैं।

299. निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन ग्रंथ ‘पाँचवां वेद’ भी कहा जाता है?

- (a) शिवपुराण (b) रामायण
(c) भगवद् गीता (d) महाभारत

RRB Group-D 27-09-2018 (Shift-III)

Ans : (d) महाभारत को ‘पाँचवा वेद’ भी कहा जाता है। यह हिन्दुओं का एक प्रमुख ग्रंथ है। महाभारत में 1,00,000 श्लोक हैं। इसके रचयिता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास हैं। भारतीय संस्कृति में वेद सनातन धर्म के मूल और सबसे प्राचीन धर्मग्रंथ है। इन ग्रंथों को पवित्र और अपौरुषेय माना गया है। वेदों की संख्या चार है-

1. ऋग्वेद 2. सामवेद
3. यजुर्वेद 4. अथर्ववेद

300. निम्नलिखित में से किसने ‘रघुवंशम्’ संकलित किया है?

- (a) सूरदास (b) कबीरदास
(c) कालिदास (d) तुलसीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)

Ans : (c) रघुवंशम् कालिदास द्वारा रचित महाकाव्य है।

301. ‘पंचतंत्र’ का लेखक कौन है?

- (a) श्री हर्ष (b) विष्णु शर्मा
(c) वाल्मीकि (d) कालीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)

RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) संस्कृत नीति कथाओं में पंचतंत्र का पहला स्थान माना जाता है। इस ग्रंथ के रचयिता पं. विष्णु शर्मा हैं। श्रीहर्ष की रचना ‘नैषधीयचरित्’, वाल्मीकि की रचना ‘रामायण’ तथा कालिदास की रचना ‘अभिज्ञानशाकुंतलम्’ और ‘मेघदूतम्’ हैं।

302. निम्नलिखित में से किसने भारत के प्राचीन ग्रंथ ‘नाट्यशास्त्र’ को संकलित किया है?

- (a) वेदव्यास (b) मनु
(c) अगस्त्य (d) भरत मुनि

RRB Group-D 22-09-2018 (Shift-I)

Ans : (d) नाट्यशास्त्र (संस्कृत में) नाट्य कला पर आधारित ग्रंथ है, जिसकी रचना भरत मुनि ने तीसरी शताब्दी से पूर्व की थी। इस ग्रंथ में प्रत्यभिज्ञा दर्शन की छाप है। इसके 36 अध्यायों में संगीत, नाटक एवं अभिनय का संकलन है।

303. पंच-सिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य-सिद्धान्त के लेखक कौन हैं?

- (a) आर्यभट्ट (b) ब्रह्मगुप्त
(c) भास्कराचार्य (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) पंचसिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य सिद्धान्त के लेखक वराहमिहिर थे। इन पुस्तकों में त्रिकोणमिति के महत्वपूर्ण सूत्र दिये हैं जो वराहमिहिर के त्रिकोणमिति ज्ञान के परिचायक हैं। इनकी पुस्तक पंचसिद्धान्तिका (पाँच सिद्धान्त) ने उन्हें फलित ज्योतिष में वही स्थान दिलाया है जो राजनीति दर्शन में कौटिल्य का, व्याकरण में पाणिनी का और विधान में मनु का है।

304. ‘तिरुक्कुरल’ नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्ता कौन हैं?

- (a) कालिदास (b) तिरुवल्लुवर
(c) कबीर (d) मीराबाई

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) तिरुक्कुरल नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्ता तिरुवल्लुवर हैं। तिरुक्कुरल तमिल भाषा में लिखित एक प्राचीन मुक्तक काव्य रचना है, इसका रचना-काल छठी शताब्दी के आस-पास है। इसके सूत्र पद्य जीवन शैली को स्पर्श करते हैं। जबकि कालिदास ने ‘मालविकाग्निमित्रम्’ की रचना की। कबीर ने ‘बीजक’ तथा मीराबाई ने कृष्ण-भक्ति के स्फुट पदों की रचना की।

305. ‘चरक संहिता’, चिकित्सा की किस शाखा से संबंधित है?

- (a) एलोपैथी (b) आयुर्वेद
(c) होमियोपैथी (d) यूनानी

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) ‘चरक संहिता’ आयुर्वेद से सम्बन्धित प्रसिद्ध ग्रंथ है। यह संस्कृत भाषा में लिखा गया है। महर्षि चरक ने चिकित्सा शास्त्र का विशद् एवं व्यापक वर्णन इस पुस्तक में किया है।

306. सुश्रुत को.....के रूप में जाना जाता है?

- (a) भारतीय चिकित्सा के जनक
(b) भारतीय शल्य चिकित्सा के जनक
(c) भारतीय पारिस्थितिकीय के जनक
(d) भारतीय पेलियोबॉटनी के जनक

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) सुश्रुत प्राचीन भारत के महान चिकित्साशास्त्री एवं शल्य चिकित्सक थे। उनको शल्य चिकित्सा (Surgery) का जनक कहा जाता है।